

duly high. We are also having the necessary safeguards to see that Orissa prices do not go up.

Shri Palaniyandy: Large-scale smuggling is going on in Bombay into Goa

Mk. Deputy-Speaker: The hon. Member is jumping from Orissa to Bombay. Next question.

श्री विभूति मिश्र : उपाध्यक्ष महोदय, मुझे भी एक प्रश्न करना है।

उपाध्यक्ष महोदय : प्राग् आपकी बारी जा जाएगी।

श्री विभूति मिश्र : इधर तो प्राप देखते ही नहीं।

उपाध्यक्ष महोदय : कभी-कभी मेरी गलती भी माफ करनी चाहिए।

राष्ट्रीय राजपथ

*१०८३. **श्री विभूति मिश्र :** क्या परिष्कृत तथा संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने राष्ट्रीय राजपथों के बारे में विवेचन: उन की चौड़ाई आदि के सम्बन्ध में और ऐसी सड़कों के बारे में जो राष्ट्रीय राजपथों से सम्बन्धित कस्बों और गांवों में से गुजरती हैं, कोई निश्चित नीति बनाई है; और

(ख) यदि हां, तो गांवों और कस्बों में सड़कों की चौड़ाई कितनी रखी जायगी?

परिष्कृत तथा संचार मंत्रालय में राज्यमंत्री (श्री राज बहादुर): (क) सड़कों की चौड़ाई उनके वर्गीकरण के अनुसार निश्चित न की जा कर संभावित यत्नसमय के परिमाण के अनुसार निश्चित की जाती है। इसलिए राष्ट्रीय राजपथों की चौड़ाई आदि के बारे में कोई पृथक

सरकारी नीति नहीं निश्चित की गयी है। सड़कों के बारे में आवश्यक से जते मानक (स्टैंडर्ड) अपनाये गये हैं वही इन राजपथों पर भी लागू होंगे।

(ख) सवाल पैदा नहीं होता।

[Shri Raj Bahadur: (a). No separate policy is required for National Highways in regard to its standards for width of pavement etc. because it is governed by the intensity and volume of traffic and not by the classification of the road. The standards adopted for roads in general apply to National Highways also.]

(b) Does not arise.]

श्री विभूति मिश्र : सरकार ने, जैसा कि श्री मंत्री जी ने बतलाया, कोई नीति निर्धारित नहीं की है। इसका परिणाम यह होता है कि जहां सरकार नेशनल हाईवेज बना रही है वहां सरकारी प्रफसर कहीं से फीट कह देते हैं कहीं २०० फीट। क्या इससे गड़बड़ी नहीं होती है।

श्री राज बहादुर : मैंने जो निवेदन किया था वह पक्की सड़कों के बारे में निवेदन किया था कि उसको जितना यातायात उसके ऊपर होता है उसके अनुसार चौड़ा रखा जाता है अगर अधिक यातायात होता है तो २२ फीट रखा जाता है वरना ११ फीट और कहीं कहीं इससे भी कम। इसमें नीति का सवाल नहीं आता।

श्री विभूति मिश्र : मैं जगाना चाहता हूँ कि सरकार जब किसी सड़क को नेशनल हाईवे घोषित करती है, तो उस घोषणा के बाद क्या सरकार यह घोषणा भी करती है कि जब वह सड़क फहर से निकलेगी तो कितनी चौड़ी होगी और जब देहात से निकलेगी तो कितनी चौड़ी होगी?

श्री राज बहादुर : जिन सड़कों को नेशनल हाईवे डिक्लेअर किया जाता है वो

उन्हें बारे में जानकारी से यह स्थान उक्त जाता है कि जब उन पर यातायात बढ़ेगा तो उसको कितना चौड़ा करने की आवश्यकता होगी उसके लिये कम्बोम को कमी १०० फीट, या १२० फीट या इससे भी ज्यादा रखने की घोषणा की जाती है।

Shri C. D. Pandey: In the usually accepted sense of the word "highway" means that there would be no obstruction, or the least obstruction, in the way. May I draw the attention of the Government to the fact that in National Highway No. 8, from Delhi to Lucknow the vehicular traffic is held at Moradabad for hours together, and that causes inconvenience to the passengers? The highways should always have separate bridges and should not pass through railway bridges.

Shri Raj Bahadur: It is admitted that there are many missing links and also many bridges have to be constructed. We are trying our best to expedite the construction of bridges. The highways must have enough width for a free and smooth flow of vehicular traffic.

श्री विद्युति मिश्र क्या माननीय मंत्री जी ने यह सोच रखा है कि जब से जो भी सड़क नेशनल हाइवे बनाई जाएगी, उसको लेने से पहले वहाँ शहर में और कहीं के देहातों में सरकार यह घोषणा कर दे कि यह सड़क इतनी चौड़ी शहर में होगी, इतनी चौड़ी देहातों में होगी—

उपाध्यक्ष श्रीधर : अच्छी सजेशन है जिस पर गौर किया जा सकता है।

श्री राज बहादुर : यह ध्याम तीर से किया जाता है।

Shrimati Ila Palchowhari: Has the Government any information that owing to the width not being enough in certain highways there are a number of accidents? Has Government made any assessment of these accidents? May I know what Government propose to do about it?

Shri Raj Bahadur: That may be true in various sections of the congested

localities. But normally I should say that our roads are very much under-utilized.

Shri Achar: When these national highways pass through big cities and bigger towns, is there any proposal to have diversion outside the towns and cities?

Shri Raj Bahadur: That is what normally we are required to do, and we have done it in many cases.

श्री प्रकाशवीर झाएली : क्या कुछ इस प्रकार के राज पथ हैं जिनका स्तर इतना नीचा है कि प्रतिवर्ष वर्षा के कारण या बाढ़ के कारण वे क्षतविक्षत हो जाते हैं? इसी प्रकार का एक राजपथ वह है जो कि दिल्ली से मथुरा तक जाता है और सरकार को पता होगा कि पिछले वर्ष की बाढ़ से बहुत हानि उसको हुई। क्या सरकार ने इस प्रकार के राजपथों का स्तर ऊंचा करने की कोई योजना बनाई है?

श्री राज बहादुर : जी हाँ, यह सत्य है कि जब कभी वर्षा अधिक हो जाती है या वाटर लागिंग हो जाता है, तो सड़कें खराब हो जाती हैं। उनका एलाइममेंट यानी उनका रास्ता बदलने की हम कोशिश कर रहे हैं और जो भी दूसरे कदम हो सकते हैं, उठा रहे हैं।

Shri Jadhav: May I know whether it is a fact that the width of the Bombay-Agra road is so small and, therefore, accidents take place every month?

Mr. Deputy-Speaker: That has already come.

Shri Raj Bahadur: That is there to some extent for greater Bombay area only.

श्री ज्ञा० झा० वर्मा : गवर्नमेंट ने नेशनल हाइवे बनाये हैं। मैं जानना चाहता हूँ क्या सरकार कोई इस तरह की कमिश्नरियत योजना बना रही है जिसमें सड़क, रेल तथा इरिगेशन तीनों का काम चल सके बानी जिस पर इरिगेशन का भी काम हो,

बाए, लड़क़ी निकल जाए और रेल की बन जाए?

श्री राव बहादुर : इरिगेशन का तो मैं समझता हूँ इस सम्बन्ध नहीं। लेकिन इंग्लैंड कांटर ट्रान्स्पोर्ट में रेल और रोड है, इन तीनों का विकास एक संयुक्त ढंग से हो, इनमें सामंजस्य हो, इस बात की चर्चा की जा रही है। इस सम्बन्ध में एक कमेटी का निर्माण भी किया गया है जिसे कि नियोगी कमेटी कहते हैं जो कि राष्ट्रीय यातायात या परिवहन नीति के बारे में आवश्यक सुझाव देगी।

Sugar Factory in Kolhapur

*1084. Shri Pangarkar: Will the Minister of Food and Agriculture be pleased to state:

(a) whether there is any proposal to set up a Sugar Factory in Kolhapur district of Bombay State during the current financial year;

(b) if so, when the proposal would materialise; and

(c) the amount to be spent on the factory?

The Deputy Minister of Food and Agriculture (Shri A. M. Thomas): (a) and (b). The Hon'ble Member has probably in mind the factory at Kodoli. This went into production on 1st November, 1959.

(c). About Rs. 1.36 crores.

Shri Pangarkar: May I know whether the factory to be set up will be on a co-operative basis or individual basis.

Shri A. M. Thomas: For this factory the licence has been applied for by Shree Warana Sahakari Sakhar Karhana Limited. So, it is a co-operative business.

Shri Shivnanajappa: May I know whether any restriction is put on the licensing of co-operative sugar factories?

Shri A. M. Thomas: If my friend is referring to the general question, our present and future developments would be mainly on the co-operative front.

Shri Mahagaonkar: Since two more co-operative concerns have been formed in Kolhapur district may I know whether there is any possibility of their getting licences?

Shri A. M. Thomas: There are as many as four factories in Kolhapur, besides the one that is already referred to. Out of the four, three are on co-operative basis and one is a joint stock company. Licences for two more have been applied for, and they have to be considered by the Commerce and Industry Ministry, in consultation with our Ministry.

Water-Logging in Delhi

*1085. Shri D. C. Sharma: Will the Minister of Irrigation and Power be pleased to state:

(a) how many villages in the Union Territory of Delhi have suffered on account of water-logging of their cultivable land during the current year upto 30th November, 1959;

(b) whether such sufferers have been given any relief; and

(c) if so, the amount given as relief till November, 1959?

The Deputy Minister of Irrigation and Power (Shri Hathi): (a) The Delhi Administration have reported that no village has suffered on account of water-logging in Delhi territory during 1959.

(b) and (c). Do not arise.

कैराना के पास यमुना नदी पर पुल

*१०८६. श्री प्रकाशचौरा साहनी : क्या परिवहन तथा संचार में यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या पानीपत की ओर कैराना के निकट यमुना नदी पर एक पुल बनाने का विचार है;